संपादकीय

संक्रमित स्वास्थ्यकर्मी

कोरोना संक्रमितों का इलाज कर रहे डॉक्टरों, उन विभागों और केंद्रों में तैनात दूसरे स्वास्थ्यकर्मियों के संक्रमित होने का खतरा तो निरंतर बना ही रहता है, पर अस्पतालों की कई गतिविधियां इस तरह एक-दूसरे से जुड़ी होती हैं कि इसके विषाणु का प्रसार दूसरे विभागों तक होने की आशंका हमेशा बनी रहती है।

इस वक्त जिन लोगों पर महामारी से पार निकालने की जिम्मेदारी है, अगर उन्हें ही सुरक्षित रख पाना मुश्किल हो रहा है, तो इसे लेकर चिंता स्वाभाविक है। कोरोना संदिग्धों की जांच के लिए गए चिकित्सा दलों पर होने वाले हिंसक हमलों को रोकने के लिए सरकार ने कड़ा कानून बना दिया। उससे तो स्वास्थ्यकर्मियों को कुछ सुरक्षा मिलती नजर आ रही है, पर वे खुद जिस तरह इस विषाणु की चपेट में आ रहे हैं, उसे रोकना सरकारों के लिए बड़ी चुनौती बन गई है।

अकेले दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों में सवा दो सौ से ऊपर चिकित्साकर्मी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। हालांकि यह संख्या अधिक होने का अनुमान है, क्योंकि पिछले एक हफ्ते से स्वास्थ्यकर्मियों के संक्रमण के आंकड़े सरकारों ने जारी नहीं किए हैं। इस समस्या की गंभीरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि स्वास्थ्यकर्मियों के संक्रमित होने की वजह से कुछ अस्पतालों को पूरी तरह बंद करना, तो कुछ की सामान्य सेवाएं रोकनी पड़ी हैं। अधिक चिंता की बात यह है कि अस्पतालों के उन विभागों के स्वास्थ्यकर्मी अधिक संक्रमित हो रहे हैं, जहां कोरोना के मामले नहीं भर्ती होते। उनके जरिए दूसरे मरीजों में भी इस विषाणु का संक्रमण फैल रहा है।

कोरोना संक्रमितों का इलाज कर रहे डॉक्टरों, उन विभागों और केंद्रों में तैनात दूसरे स्वास्थ्यकर्मियों के संक्रमित होने का खतरा तो निरंतर बना ही रहता है, पर अस्पतालों की कई गतिविधियां इस तरह एक-दूसरे से जुड़ी होती हैं कि इसके विषाणु का प्रसार दूसरे विभागों तक होने की आशंका हमेशा बनी रहती है। मगर स्वास्थ्यकर्मियों की शुरू से शिकायत रही है कि उन्हें न तो उचित गुणवत्ता वाले सुरक्षा परिधान उपलब्ध कराए जा रहे हैं और न इसके संक्रमण से बचने के दूसरे जरूरी साजो-सामान। यह स्थिति केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है। देश के तमाम हिस्सों से ऐसी शिकायतें मिलती रही हैं।

इस समस्या से निपटने के लिए सरकार ने दूसरे देशों से सुरक्षा परिधान और जांच उपकरण तो मंगाए, पर वे गुणवत्ता के लिहाज से घटिया साबित हुए। हैरानी की बात नहीं कि वे चिकित्साकर्मियों को संक्रमित होने से नहीं रोक पाए। ऐसे भय के वातावरण में चिकित्सकों के लिए काम करना कठिन हो रहा है। समझना मुश्किल है कि ऐसी व्यवस्था और ऐसे वातावरण में काम करते हुए किस तरह स्वास्थ्यकर्मी कोरोना के चक्र को तोड़ने में गति ला सकेंगे। कोरोना संक्रमण के मामले सामने आने के साथ ही सरकार ने इसका चक्र तोड़ने के लिए तेजी से एहतियाती कदम उठाए और संपूर्ण बंदी का एलान कर दिया।

68000 करोड़ रुपये के कर्जमाफी पर आरबीआई की सफाई, बट्टे खाते में डालने का मतलब वसूली बंद नहीं

नई दिल्ली । आरबीआई ने 68000 करोड़ रुपये के कर्ज को बट्टे खाते में डालने की बात से इनकार किया है। रिजर्व बैंक के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आरबीआई न तो किसी को कर्ज देती है और न उसे राइट ऑफ यानी बट्टे खाते में डालने का काम करता है। आरबीआई के प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि ये काम बैंकों की तरफ से एनपीए फंसे कर्ज के लिए प्रावधान के बाद किया जाता है। उन्होंने इस बारे में चल रही खबरों को निराधार बताते हुए

कहा कि रिजर्व बैंक किसी भी गैर सरकारी और गैर बैंकिंग संस्थानों को न तो कर्ज देता है और न ही उसे राइट ऑफ करता है।

आरटीआई को गलत तरीके के समझकर पेश किया जा रहा है

रिजर्व बैंक की तरफ से बताया गया है कि राइट ऑफ एक बैंकों की तरफ से की जाने वाली अकाउंटिंग की प्रक्रिया होती है। जहां कर्ज को एक अलग बट्टे खाते में डाल दिया जाता है, लेकिन इसका ये मतलब नहीं होता है कि कर्ज की वसूली ही बंद कर दी जाती है। जैसे ही बैंक कर्ज की वसूली कर लेते हैं वो उनके मुनाफे में दिखाई देता है। पूर्व बैंकिंग सचिव राजीव टकरू ने भी कहा कि रिजर्व बैंक की आरटीआई को गलत तरीके के समझकर पेश किया जा रहा है।

देश में कर्ज के तमाम मामले ऐसे होते हैं जिनकी वसूली मुकदमों और अलग-अलग विभागों की जांच में उलझ जाती है। उनके मुताबिक इन चीजों में लंबा वक्त लगता है। ऐसे में उस कर्ज को बैंक के खातों में लेकर चलने से वो कारोबार के मुनाफे पर बोझ बन जाता है इसीलिए ऐसे कर्ज को अलग खातों में रख दिया जाता है, इसका अर्थ कर्ज माफ कर देना नहीं । जब कर्ज की वसूली हो जाती है तो फिर से बैंक के मुनाफे में उस रकम को शामिल कर लिया जाता है।

राहुल गांधी ने सवाल उठाए– कई बड़े पूंजीपतियों का 68 हजार करोड़ रुपये से अधिक का ऋण बट्टे खाते में डाले जाने के दावे को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को घेरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने संसद में इस बारे में प्रश्न का उत्तर नहीं देकर सच छुपाने की कोशिश की थी। पार्टी ने इस बारे में सरकार से स्पष्टीकरण देने की मांग की है। राहुल गांधी ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा कि संसद में उन्होंने एक प्रश्न पूछा था कि देश के उन 50 बड़े लोगों के नाम बताइए, जिन्होंने जानबूझकर बैंकों के करोड़ों रुपये का कर्ज नहीं चुकाया। मगर वित्त मंत्री ने उनके प्रश्न का जवाब नहीं दिया। राहुल ने 16 मार्च को लोकसभा के मौखिक प्रश्नों की प्रति भी ट्वीट की है। उनका सवाल पांचवें नंबर पर था। वि.सं

आरटीआई में किया गया था दावा– देश के बैंकों का पैसा जानबूझकर नहीं चुकाने वाले 50 सबसे बड़े बकायेदारों के 68,607 करोड़ रुपये के कर्ज को बट्टे खाते में डाल दिया गया है। एक आरटीआई में यह दावा किया गया।

लॉकडाउन का साइड इफेक्टः पायलटों को अप्रैल-मई का वेतन नहीं देगा स्पाइस जेट

नई दिल्ली । निजी विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने अपने पायलटों को बुधवार को सूचना दी कि अप्रैल और मई के लिए उन्हें कोई वेतन नहीं मिलेगा। वहीं मालवाहक विमानों का परिचालन कर रहे पायलटों को उड़ान के घंटों के आधार पर भुगतान किया जाएगा। कंपनी के मुख्य विमान परिचालन अधिकारी गुरचरण अरोरा ने पायलटों को ईमेल करके यह जानकारी दी। उन्होंने लिखा मौजूदा वक्त में हमारे 16 प्रतिशत विमान और 20 प्रतिशत पायलट ही उड़ान भर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम अपने पांच मालवाहक विमानों और यात्री विमानों से माल ढुलाई कारगो ऑन सीट करके यह उड़ानें भर रहे हैं। स्पाइस जेट के बेड़े में 116 यात्री विमान और पांच मालवाहक विमान शामिल हैं।

कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए देशभर में 25 मार्च से लॉकडाउन बंद है। इसके चलते सभी वाणिज्यिक यात्री विमानों के परिचालन पर रोक

है। अरोरा ने कहा, हमें पायलटों को अप्रैल-मई 2020 के लिए कोई वेतन नहीं मिलेगा । जो पायलट मालवाहक विमानों की उड़ान भर रहे हैं, उन्हें उड़ान के घंटों के हिसाब से वेतन मिलेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले हफ्तों में हम अपने विमानों का परिचालन 50 प्रतिशत तक मालवाहक और यात्री विमानों से मालवहन और उड़ान भरने वाले पायलटों की संख्या 100 प्रतिशत तक करेंगे।

पेट्रोल-डीजल पर कोविड-19 सेस से 6 रुपये महंगा हुआ तेल, असम के बाद अब इस राज्य ने दिया झटका

नई दिल्ली। लॉकडाउन के बीच नगालैंड ने पेट्रोल और डीजल पर कोविड-19 सेस लगाकर कीमतों में भारी इजाफा किया है। 28 अप्रैल की मध्यरात्रि से राज्य में पेट्रोल 6 रुपये और डीजल पर 5 रुपये प्रति लीटर महंगा हो गया है। इससे पहले, असम सरकार ने डीजल पर 5 रुपये प्रति लीटर और पेट्रोल पर 6 रुपये प्रति लीटर टैक्स बढ़ा दिया था। नागालैंड के अतिरिक्त मुख्य सचिव और वित्त आयुक्त सेंटियांगर इमचेन ने यह जानकारी दी। नगालैंड टैक्सेशन एक्ट 1967 संशोधित में निहित शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए राज्यपाल यह आदेश जारी किया है कि मौजूदा टैक्स और सेस के अलावा कोविड-19 सेस भी लगाया जाएगा। वहीं लॉकडाउन के कारण हुए नुकसान की भरपाई के लिए असम सरकार ने पिछले हफ्ते पेट्रोल-डीजल पर टैक्स लगाया था। असम में पेट्रोल 71.61 रुपये से बढ़कर 77.46 रुपये प्रति लीटर और डीजल का दाम 65.07 रुपये से चढ़कर 70.50 रुपये प्रति लीटर हो गया। असम मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2003 के प्रावधानों के तहत प्रमुख सचिव समीर कुमार सिन्हा द्वारा जारी अधिसूचना 22 अप्रैल को सुबह 12:00 बजे से प्रभावी हो गई है। इसके बाद अब असम में पेट्रोल की कीमत 71.61 रुपये से बढ़कर 77.46 रुपये प्रति लीटर हो गई। डीजल की कीमत 65.07 रुपये से बढ़कर 70.50 रुपये हो गई। कोविड -19 के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए लॉकडाउन के कारण राज्य की अर्थव्यवस्था पर तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का दबाव है। वहीं, मेघालय में एक लीटर पेट्रोल का भाव 74.9 रुपये और डीजल का दाम 67.5 रुपये हो गया है।

5 जी नेटवर्क की तैयारी, एयरटेल और नोकिया में 7,500 करोड़ रुपये की डील

नई दिल्ली। दूरसंचार उपकरण बनाने वाली प्रमुख कंपनी नोकिया को भारती एयरटेल से 5जी नेटवर्क तैयार के लिए 7,500 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। इसके तहत कंपनी देश के नौ दूरसंचार सर्किलों में ये नेटवर्क तैयार करेगी। भारती एयरटेल ने मंगलवार को बताया कि इस ठेके के तहत नोकिया 4जी सेवाओं के लिए तीन लाख बेस स्टेशन तैयार करेगी, जिसे अगली पीढ़ी की सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम मिलने के बाद 5जी नेटवर्क में अपग्रेड किया जा सकेगा।

भारती एयरटेल ने नेटवर्क क्षमता और ग्राहकों की सुविधा बेहतर बनाने के लिए यह ठेका दिया है। एयरटेल ने इन नौ दूरसंचार सर्किलों में नोकिया की सिंगल रेडियो एक्सेस नेटवर्क एसआरएएन प्रौद्योगिकी के लिए कई वर्षों का समझौता करने की घोषणा की है। सूत्रों के मुताबिक इस ठेके का मूल्य करीब 7,500 करोड़ रुपये है। एयरटेल ने एक बयान में कहा कि इन उपकरणों के माध्यम से भविष्य में 5जी सेवाएं देने में मदद मिलेगी। इसके तहत एयरटेल के इन नौ सर्किल में करीब तीन लाख रेडियो नटवर्क उपकरण लगाए जाएंगे। यह इस साल का पहला नेटवर्क विस्तार सौदा है। गौरतलब है कि लॉकडाउन के दौरान तेज गति वाले डाटा की मांग करीब 20 प्रतिशत बढ़ी है।

भारती एयरटेल ने बयान में कहा कि हम ग्राहकों को बेहतरीन सेवाएं मुहैया कराने के लिए नई प्रौद्योगिकी में लगातार निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। नोकिया के साथ यह पहल इस दिशा में एक बड़ा कदम है।

इन देशों में शुरू हो चुकी है 5जी सेवा – 5जी सर्विस अमेरिका में कुछ जगह पर शुरू हो चुकी है। साथ ही कुछ यूरोपियन देश भी इसमें शामिल हो चुके हैं, जिनके नाम स्विट्जरलैंड, फिनलैंड और ब्रिटेन हैं। इसके अलावा कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, हांगकांग, स्पेन, स्वीडन, कतर और यूएई ने 5जी को शुरू करने को लेकर आधिकारिक घोषणा कर दी है।

4जी से 5जी कितना अलग – 5जी तकनीक पूरी तरह से 4जी तकनीक से अलग होगी। यह सब कुछ टेलीकॉम कंपनियों के निवेश और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर निर्भर करता है। फिलहाल 4जी पर सर्वाधिक 45 एमबीपीएस की स्पीड मुमकिन है और एक चिप निर्माता कंपनी का अनुमान है कि 5जी टेक्नोलॉजी इससे 10 से 20 गुना तक अधिक स्पीड दे सकेगी।

12 करोड़ से ज्यादा लोगों को सता रही चिंता अप्रैल की सैलरी मिलेगी या नहीं: पी चिदंबरम

नई दिल्ली । भारत के 12 करोड़ से ज्यादा लोग सांस रोककर इंतजार कर रहे हैं और वो केवल इतना जानना चाहते हैं कि क्या उन्हें अप्रैल माह के लिए उनका वेतन/भत्ता मिलेगा। स्पष्ट रूप से भारत के मेहनतकश नागरिकों व उनके परिवार तनाव व बढ़ती अनिश्चितता की स्थिति में है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम एमएसएमई मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार 6.3 करोड़ एमएसएमई में 11 करोड़ लोग काम करते हैं। उनमें से ज्यादातर अप्रैल माह में एक दिन भी काम नहीं कर पाए, क्योंकि कोरोना महामारी को रोकने के लिए पूरे देश में लॉकडाऊन लागू है। आय के बिना ये लोग अपने और अपने परिवार का पालन पोषण कैसे करेंगे? इन 11 करोड़ लोगों की रोजी रोटी खतरे में है क्योंकि ज्यादातर नियोक्ता एम्प्लॉयर्स उनके वेतन/भत्ते देने की स्थिति में नहीं हैं। इस माह व्यवसायों की कोई सेल नहीं हुई और उनके विक्रेताओं के पैसे भी अटक गए हैं, जिससे विक्रेता भी निराश हैं। अधिकांश प्राईवेट सेक्टर को मौद्रिक लिक्विडिटी के मामले में बहुत बड़ा झटका लगा है। इसके अलावा, ये व्यवसाय अपने भविष्य को लेकर भी अनिश्चित हैं। उन्हें नहीं मालूम कि वो अपना व्यवसाय कैसे चला पाएंगे या फिर क्या उन्हें अपना व्यवसाय हमेशा के लिए बंद करना पड़ेगा। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को बचाने के लिए साहसी निर्णय लेने का समय आ गया है। यदि व्यवसायों को उम्मीद नहीं दिखेगी, तो उन्हें बंद होने पर मजबूर होना पड़ेगा। इन 11 करोड़ भारतीयों को बचाने तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को उम्मीद की किरण देने के लिए भारत सरकार को तुरंत हस्तक्षेप करना होगा। चौंकाने वाली बात है कि कोविड-19 की महामारी फैलने के बाद से अब तक सरकार द्वारा व्यवसायों के लिए न तो किसी फाईनेंशल पैकेज की घोषणा की गई और न ही किसी सहायता की।हो सकता है की सरकार के पास समय की कमी न हो, लेकिन सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम इंतजार नहीं कर सकते। वे अभी जानना चाहते हैं कि क्या उन्हें अपना व्यवसाय जारी रखने के लिए कोई सहयोग दिया जाएगा ताकि व्यवसायों पर निर्भर लोगों के वेतन/भत्ते का भुगतान हो सके।

कोरोना वैक्सीन तैयार करने के लिए IIT और हेस्टर ने मिलाया हाथ

कोविड-19 के खात्मे को लेकर दुनियाभर के वैज्ञानिक उपाय ढूढ़ने में लगे हैं। अलग-अलग देशों में वैज्ञानिक कोरोना की वैक्सीन तैयार करने में दिन-रात जुटे हुए हैं, पर अभी तक सफलता नहीं मिली है। इस बीच भारत में भी कोविड-19 वैक्सीन बनाने के प्रयास तेज हो गए हैं। अहमदाबाद की दवा कंपनी हेस्टर बायोसाइंसेज ने बुधवार को कहा कि उसने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी आईआईटीजी के साथ मिलकर COVID-19 का टीका विकसित करेगा।

इसके लिए दोनों संगठनों के बीच 15 अप्रैल 2020 को समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। कंपनी ने कहा है कि यह टीका पुनः संयोजक एविएन पैरामाइक्सोवायरस आधारित वेक्टर प्लेटफॉर्म पर आधारित होगा।हेस्टर बायोसाइंसेस के सीईओ और एमडी राजीव गांधी ने कहा, आईआईटी गुवाहाटी और हेस्टर दोनों मिलकर कोविड-19 को खत्म करने के लिए एक वैक्सीन को विकसित करने और इसे बनाने में एक दूसरे को सहयोग करेंगे। हेस्टर की भागीदारी मास्टर सीड के विकास से लेकर कामर्शियल रूप में वैक्सीन जारी करने तक होगी।

बयान के मुताबिक रीकॉम्बिनेंट एविएन पैरामिक्सोवायरस-1 का उपयोग सार्स-कोव-2 के एक इम्यूनॉजिक शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को जगाने वाले प्रोटीन के तौर पर किया जाएगा। बाद में इसका उपयोग आगे के अध्ययन के लिए किया जा सकता है। इस बारे में हेस्टर बायोसाइंस के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजीव गांधी ने कहा, कंपनी और आईआईटी-गुवाहाटी मिलकर कोरोना वायरस बीमारी से लड़ने के लिए एक रीकॉम्बिनेंट टीका विकसित करेंगे।

प्रकाश जावड़ेकर का राहुल पर पलटवार

नई दिल्ली। देश के बैंकों ने 50 बड़े विलफुल डिफाल्टर्स का 68,607 करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज बट्टे खाते में डाले डाने पर कांग्रेस और मोदी सरकार के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौरा जारी है। मोदी सरकार पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हमलावर रुख पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बाद अब केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने पलटवार किया है। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम से ट्यूशन लेना चाहिए।

एएनआई के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा, राहुल गांधी की इस आरोप से चकित हूं कि मोदी सरकार ने 65,000 करोड़ रुपये माफ कर दिए हैं। एक भी पैसा माफ नहीं किया गया है। कर्ज को बट्टे खाते में डालने Writing off का मतलब कर्ज माफ करना waiving off नहीं होता है। राहुल गांधी को चिदंबरम से कर्ज माफी और कर्ज को बट्टे खाते में डालने में अंतर समझने के लिए ट्यूशन लेना चाहिए। प्रकाश जावड़ेकर ने आगे कहा, कर्ज को बट्टे खाते में डालना जमाकर्ताओं को बैंक की सही तस्वीरें दिखाने की प्रक्रिया है।

आज का राशिफल

क्योंकि आपको दूसरों की मदद करने से सकून मिलता है इसलिए आज का दिन परोपकार में व्यतीत होगा।

आज का दिन परिजनों के साथ सुखद बीतेगा। भाग्यवश दोपहर तक हर्षवर्धक शुभ समाचार भी मिलेगा।

पिता के आशीर्वाद तथा उच्चाधिकारियों की कृपा से किसी बहुमूल्य वस्तु अथवा संपत्ति की प्राप्ति की अभिलाषा आज पूरी होगी।

राशि स्वामी की उत्तम स्थिति एवं राशि पर बृहस्पति का धनुराशीस्थ होकर परिभ्रमण अकस्मात बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति करा कर कोष की स्थिति को सुदृढ़ करेगा।

राजनीतिक क्षेत्र में अशातीत सफलता मिलेगी। संतान के प्रति दायित्व पूर्ति भी होगी।

राशि का स्वामी बुध मकर में गुरु व चंद्र आज तुला राशि में संचार कर रहे हैं।

आज शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि का योग है।

आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होकर, धन सम्मान यश कीर्ति की वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सिद्ध होगा।

आज गृहोपयोगी वस्तुओं पर धन का खर्चा होगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी।

आज व्यवसायिक क्षेत्र में मन के अनुकूल लाभ होने का हर्ष होगा। आर्थिक स्थिति पूर्वापेक्षा अधिक सुदृढ़ होगी। सावधानी बरतें, वाहन अकस्मात खराब हो जाने से खर्च बढ़ सकता है।

राशि स्वामी शनि की मध्यम स्थिति के कारण पी को अकस्मात शरीर कष्ट होने से भागदौड़ व अधिक खर्चे की स्थिति आ सकती है।

वैवाहिक जीवन आनंददायक बीतेगा। आज पास व दूर की सकारणीय यात्रा भी हो सकती है। बिजनस में बढ़ती प्रगति से काफी खुशी होगी।

वेजिटेबल ओट्स उपमा है सुबह के नाश्ते का बेहतरीन ऑप्शन

सामग्री :-

1 बारीक कटी हुई गाजर, 3-4 फ्रेंच बीन्स, 1/2 कप मटर के दाने, 1 कप ओटमील, 1 प्याज, 1 इंच अदरक, 2 हरी मिर्च, 2-3 टीस्पून तेल, 1/2 टीस्पून राई दाना, 1 टीस्पून चना दाल, 1/2 टीस्पून जीरा, चुटकी भर हींग, 4-6 करी पत्ते, 3/4 कप पानी, 1 टीस्पून धनिया पत्ती, स्वादानुसार नमक

विधि :-

नॉनस्टिक पैन में ओट्स को अच्छी तरह से ड्राई रोस्ट करें।

अब पैन में तेल गर्म करें। इसमें राई दाना, चना दाल, बीच में से कटी हरी मिर्च, जीरा, हींग, अदरक, बारीक कटे प्याज, गाजर और फ्रेंच बीन्स, मटर और करी पत्ते डालकर मिलाएं।

अब इसमें पानी डालकर उबलने दें। थोड़ी देर बाद इसमें ओट्स डालकर चलाएं।

ओट्स को धनिया पत्ती से गार्निश कर सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य-7

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. शृंगार करना, साजन 14. श्रवणईंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

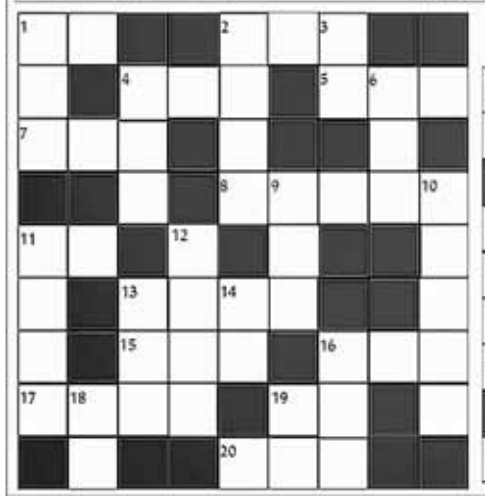

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 06 का हल

मै	दा	न	■	स	र	ग	म	■
त्री	■	सी	■	■	क्षा	■	धु	र्ग
■	सा	ह	स	■	■	■	र	■
स्वा	ग	त	■	स	म	झौ	ता	■
व	र	■	■	र	■	■	■	म
लं	■	बि	ला	स	■	■	दा	म
बी	न	■	ज	■	सा	मा	न	ता
■	ज	■	वा	हि	या	त	■	■
त	र	की	ब	■	ना	■	खा	ली

सू-दोकू-7

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.06 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6